एक नजर में

एक लाख हनुमान चालीसा का लक्ष्य

उज्जैन। अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल एवं राष्ट्रीय महिला परिषद ओजस्विनी की प्रांत वृत बैठक प्रात: 11 बजे से शाम 4 बजे तक गायत्री साधना केंद्र, मुरलीपुरा, बड़नगर रोड, उज्जैन में सम्पन्न हुई। बैठक शुरू करने से पहले प्रभु श्री राम का पूजन कर चित्र पर माल्यार्पण किया गया और ओम उच्चारण के साथ सामूहिक कार्यकर्ता ने हनुमान चालीसा किया गया जिसके बाद बैठक शुरू हुई। कोषाध्यक्ष मुकेश पाटीदार ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई और बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हुए विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत विमर्श हुआ। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य भारत मालवा प्रांत के संयुक्त महामंत्री मूलचंद साध, प्रांत संगठन महामंत्री संजय यादव, प्रांत महामंत्री किशोर यादव, प्रांत मंत्री देवेंद्र अंजना, राष्ट्रीय बजरंग दल प्रांत अध्यक्ष अनिल सिंगार उपस्थित थे। इस मौके पर संगठन द्वारा समय-समय पर किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की गई तथा कार्यों को गति देने हेतु सुझाव लिए गए और डॉ प्रवीण भाई तोगड़िया मालवा प्रांत प्रवास की योजना बनाई गई। बैठक में मालवा प्रांत के विभिन्न जिलों इंदौर, खंडवा, बुरहानपुर, बड़वानी, खरगोन, धार, झाबुआ, रतलाम, नीमच, मंदसौर, शाजापुर, आगर मालवा, देवास के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महामंत्री मूलचंद साध ने संबोधित करते हुए कहाकि अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल का देशभर में एक लाख हनुमान चालीसा पाठ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस विशाल आध्यात्मिक अभियान को सफल बनाने के लिए संगठन ने तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। जल्द ही संगठन द्वारा विभिन्न शहरों, कस्बों और ग्रामों में हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों पर समिति के माध्यम से नियमित पाठ आयोजित होगा। प्रत्येक केंद्र पर निर्धारित संख्या में भक्तों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि लक्षित एक लाख पाठ को समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके। संगठन ने इसे जन-आस्था को जोड़ने वाला राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम बताया है। जिसमें समाज के हर वर्ग से सहभागिता की अपील की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय महिला परिषद, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारी की घोषणा की गई।

बिरसा मुंडा जन्म जयंती मनाई

उज्जैन। जन अभियान परिषद विकासखंड उज्जैन जिला उज्जैन की नवांकुर संस्था देवी अवंतिका सामाजिक युवा कल्याण समिति ने सेक्टर पंथ पिपलाई के ग्राम डेंडिया में जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर ने के बाद सरस्वती वंदना की गई। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं परिचय हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम सरपंच सावित्री नरेंद्र पोरवाल एवं विशेष अतिथि के रूप में नरेंद्र पोरवाल विद्यालय की ओर से सपना की चित्र जाटव उपस्थित थे। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा विषय को विषय के लिए वक्त के रूप में रचना गहलोत ने भगवान बिरसा मुंडा के कार्यों का सविस्तार बच्चों को समझाया। कार्यक्रम में विद्यालय की बच्चियों ने भगवान बिरसा मुंडा के विषय को लेकर सविस्तार चर्चा की एवं उनके कार्यों को बच्चों के समक्ष रख अपने मनुष्य जीवन जीवन को किस प्रकार पूज्यनीय किस प्रकार बनाया जा सकता है वह बच्चों को समझाया। कार्यक्रम उपरांत सभी बच्चों को पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखने के लिए शपथ दिलाई गई एवं स्वच्छता रैली निकाली गई। अंत में नरेंद्र पोरवाल ने बिरसा मुंडा के जन्म जयंती पर बच्चों को उपहार दिया गया और स्वल्पाहार करवाया गया। जन अभियान परिषद के छात्र एवं मेंटर विकेंद्र शर्मा एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां उपस्थित थे। संचालन संस्था अध्यक्ष करुणा शितोले एवं आभार रचना गहलोत ने माना।

रोबो फेस्ट का आयोजन हुआ

उज्जैन। उज्जैन में पहली बार रोबो फेस्ट 2025 का आयोजन कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किया। इसमें विद्यार्थियों ने यांत्रिकी और बुद्धिमत्ता के आधार पर तकनीकी प्रतिभा, रचनात्मकता का परिचय देकर निर्मित प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए। फेस्ट में छात्रों द्वारा निर्मित एआई आधारित रोबोट, सेंसर मशीनें, रोबोटिक आर्म और उन्नत तकनीकी मॉडल प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षण रहें। इस अवसर पर सांस्कृतिक और वैज्ञानिक खेल की प्रस्तुतियां दी गई। सीबीएसई के अनुरूप एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत विविध सांस्कृतिक एवं रंगारंग प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आर्चबिशप डॉ. सेबेस्टियन वडकेल, आरटीईडी उप निदेशक श्रेयस गोखले, प्राचार्या डॉ. सिस्टर कृपा मारिया, सिस्टर रोज़ टॉम उपस्थित थे।

29 किमी घाट का होगा निर्माण, ढाई करोड़ श्रद्धालु एक साथ करेंगे स्नान

नए घाटों पर आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की जाएगी, सिंहस्थ-2028और धार्मिक पर्वों के लिए फायदेमंद

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप, उज्जैन में शिप्रा नदी को शहरी क्षेत्र में दिशा देने और सिंहस्थ तथा अन्य धार्मिक पर्वों पर श्रद्धालुओं को सुगम एवं स्वच्छ स्नान स्थान प्रदान करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन द्वारा एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर कार्य किया जा रहा है।

प्रशासन का अनुमान है कि इस विशाल और स्थायी व्यवस्था के तहत, 24 घंटे की अवधि में लगभग ढाई करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। घाटों के निर्माण से श्रद्धालुओं को पर्याप्त और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। जिससे स्नान करने में आसानी होगी। साथ ही यह व्यवस्था शासन और प्रशासन को धार्मिक आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन में बड़ी सहायता प्रदान करेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, नए घाटों पर आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की जाएगी। साथ ही, स्नान करने वालों की सहूलियत के लिए नए चेंजिंग रूम भी बनाए जाएंगे, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इन घाट की लंबाई 29.21 किलोमीटर, चौड़ाई 15.6 मीटर रहेगी,लागत 863.69 करोड़ आएगी, निर्माण एजेंसी फलोदी कंस्ट्रक्शन कंपनी, इंदौर है। अन्य संरचनाओ में बैराज, स्टॉप डैम डैम भी बनेंगे। इस परियोजना से शिप्रा के वर्तमान 9.78 किलोमीटर घाटों का विस्तार छह गुना होकर 29.21 किलोमीटर तक हो जाएगा। गोठड़ा से शनि मंदिर तक और वीआईपी घाट से जीवनखेड़ी ब्रिज तक के किनारे श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सुंदर घाट विकसित किए जाएंगे। इन घाटों की चौड़ाई 15.6 मीटर होगी, जो स्नान, पूजा, आपदा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की दृष्टि से मॉडल बनेंगे। कुल मिलाकर घाट के तौर पर यह नए गौरव पथ बना रहे हैं।

परियोजना का उद्देश्य-778 करोड़ की लागत से स्थाई निर्माण

29 किलोमीटर लंबे घाट निर्माण कई तरह से फायदेमंद होगा। जैसे सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन को धार्मिक, पर्यावरणीय और शहरी रूप से सशक्त बनाना, नदी के बाएं और दाएं तट पर शनि मंदिर से नागदा बायपास तक घाटों का निर्माण शामिल है। घाट के निर्माण के साथ-साथ, जलमार्ग और बैराज का भी निर्माण किया जाएगा। जिससे नौकायन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इस परियोजना के तहत 778 करोड़ रुपये की राशि से शिप्रा नदी के किनारे 29 किलोमीटर लंबे नए घाटों का निर्माण कार्य निरंतर और तीव्र गति से जारी है। विशेष रूप से, मंगलनाथ मंदिर के समीप निर्माण कार्य में काफी तेज़ी देखी जा रही है। इसके अतिरिक्त 9 किलोमीटर लंबे मौजूदा स्थायी घाटों के उन्नयन का कार्य भी किया जा रहा है। जिसकी अनुमानित लागत 120 करोड़ रुपये है। इन सभी घाटों का निर्माण स्थायी तौर पर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया था भूमि पूजन

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शिप्रा नदी के तट अंगारेश्वर महादेव मंदिर पर 864 करोड़ से होने बनने वाले 29.21 किलोमीटर लंबे घाट और 21 बैराज का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा था कि यह परियोजना सिंहस्थ-2028 के लिए तैयार हो रहे आध्यात्मिक राष्ट्र का नया आधार बनेगी। आगामी सिंहस्थ, इतिहास का सबसे भव्य आयोजन होगा। उन्होंने शिप्रा के त्रिवेणी घाट से सिद्धनाथ तक तीन हिस्सों में पर्यटकों के लिए नौकायन की सुविधा प्रारंभ कराने की घोषणा भी उस दौरान की। प्राचीन काल से मोक्षदायिनी मानी जाने वाली शिप्रा नदी और उसके घाटों का सिंहस्थ से गहरा रिश्ता है। सिंहस्थ मूलत: स्नान पर्व है और इसमें करोड़ों श्रद्धालु पुण्य स्नान के लिए उज्जैन आते हैं। ऐसे में घाटों की संरचना और शिप्रा की अविरलता श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी प्राथमिक आवश्यकताएं हैं। सिंहस्थ 2028 को देखते हुए शासन ने उक्त परियोजना पर काम शुरू किया है।

बाइक चोरी और मकान का ताला तोड़ने वाला नाबालिग गिरफ्तार

उज्जैन। मई-जून माह में सूने मकान का ताला तोड़कर और घर के बाहर से बाइक चुराने की वारदात करने वाले नाबालिग गिरोह में शामिल एक नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जिसके पास से चोरी की बाइक और कुछ नगदी रुपए बरामद किए गए। पूर्व में दो साथी गिरफ्तार हो चुके थे। गिरोह का सरगना और एक नाबालिग अब भी फरार है।

पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि मई माह में कृष्णकुमार पांचाल निवासी केसर बाग कॉलोनी के घर का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने 6 लाख नगद, सोने की चेन और एटीएम कार्ड चोरी कर लिया था। जून माह में मणिनगर कॉलोनी से धर्मेंद्र सरगरा की बाइक रात को घर के बाहर से चोरी हो गई थी। मामले में प्रकरण दर्ज कर पारदी मोहल्ले के दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया था। जिनके पास से 1.20 लाख नगद बरामद कर लिए गए थे, दो नाबालिग और गिरोह का सरगना सुरेंद्र पारदी फरार थे। कई महीनों की तलाश के बाद एक नाबालिग को और हिरासत में लिया गया है जो मूल रूप से गुना का रहने वाला है। जिसकी निशानादेही पर चोरी की गई बाइक और 55 हजार रुपए नगद बरामद किए गए हैं। मामले में सुरेंद्र पारदी और एक नाबालिग फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी पंवासा उपनिरीक्षक गमर सिंह मण्डलोई ने बताया कि चोरी में करार आरोपी को गिरफ्तार करने में एएसआई संतोष राव, प्रधान आरक्षक अनिल पाल, आरक्षक अमर और बजेंद्र भारती का सहयोग रहा।

ठेले पर काम करने वाले युवक ने लगाई फांसी

उज्जैन। आलू बड़े के ठेले पर काम करने वाले युवक ने रात को रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। मां ने उसे देखा तो मामले की सूचना पुलिस तक पहुंची। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम करा कर जांच शुरू की गई है। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि अपंग आश्रम में रहने वाले रजत पिता दिलीप पवार 27 साल ने रात को रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर घटनास्थल से मृतक की बॉडी फंदे से उतर कर चरक अस्पताल लाई गई। सुबह पोस्टमार्टम के दौरान सामने आया कि रजत की मां अपंग आश्रम में खाना बनाने का काम करती है। उन्हें रहने के लिए एक कमरा भी आश्रम की ओर से दिया गया है। रजत मालीपुरा में अपने रिश्तेदार द्वारा लगाए जाने वाले आलू बड़े और पानी पतासी के ठेले पर काम करता था। पुलिस के अनुसार फिलहाल फांसी लगाने का कारण सामने नहीं आया है। जांच और परिजनों के बयान के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद बॉडी परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सोप गई है।

बिरसा मुंडा जयंती पर दो बंदी रिहा

उज्जैन। बिरसा मुंडा की 150 वी जयंती शनिवार को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। प्रदेश सरकार ने इस बार जनजाति गौरव दिवस पर प्रदेश की जेल से आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदियों को समय से पहले रिहाई का निर्णय लिया है। केंद्रीय जेल भेरूगढ़ से सुबह 2 कैदियों को रिहा किया गया। केंद्रीय जेल भैरवगढ़ अधीक्षक मनोज कुमार साहू ने बताया कि राज्यपाल मंगू भाई पटेल के निर्णय पर प्रदेश सरकार द्वारा राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर प्रदेश की जेल में बंद बंदियों को रिहा करने के आदेश 7 नवंबर को जारी किए थे। इसके बाद केंद्रीय जेल भैरवगढ़ से राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस का दो बंदियों को रिहा किया गया है। रिहाई पाने वालों में इम्तियाज पिता शेर अली निवासी महिदपुर और गोपाल पिता श्याम सिंह बंजारा मंदसौर हैं। दोनों को आजीवन कारावास की सजा हुई थी। लेकिन अच्छे आचरण और जेल नियमों का पालन करने पर उन्हें समय से पहले रिहा किया गया है। जेल अधीक्षक के अनुसार उज्जैन केंद्रीय जेल के साथ ही प्रदेश की जेल में बंद 32 आजीवन कारावास के कैदियों को रिहा किया जा रहा है। अब तक वर्ष में चार बार आजीवन कारावास की सजा पाए कैदियों को छोड़ने का प्रावधान था लेकिन मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बना है। जहां राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस पर भी बंदियों की रिहाई की जाएगी। अब तक गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, अंबेडकर जयंती और गांधी जयंती पर बंदियों की रिहाई की जाती थी। राज्यपाल के इस निर्णय से समाज में यह संदेश दिया गया कि राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस केवल जनजाति समुदाय तक सीमित नहीं है बल्कि हर वर्ग का दिन है।

सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय के कला शिक्षा विभाग में व्याख्यान संपन्न

उज्जैन। उज्जैनी भारत का एक अत्यंत प्राचीन नगर है, जिसका इतिहास लगभग 4500 वर्ष पुराना माना जाता है। यह अवन्ति महाजनपद की राजधानी रहा है। ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार 620 ईसा पूर्व में राजा प्रद्योत इसका प्रमुख शासक थे। बाबर की किताब में वैधशाला (जंतर-मंतर) का उल्लेख हैकि राजा विक्रमादित्य के समय की वेधशाला यहां है। जिससे पंचांग बनाते है। मराठा शासन (सिंधिया एवं होलकर) के दौरान राणोजी शिंदे के दीवान रामचंद्र द्वारा महाकाल मंदिर का जीर्णोद्वार कराया गया।आधुनिक काल में उज्जैन में साबुन, तेल तथा कपड़ा उद्योग स्थापित हुए। यह बात सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के कला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में उज्जैनी के विस्मृत एवं अनदेखे इतिहास पर केंद्रित विशेष व्याख्यान पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता डॉ. प्रीति पांडेय, व्याख्याता प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला, सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय ने कही। उन्होंने अपने व्याख्यान में उज्जैन के इतिहास के कई कम ज्ञात पहलुओं को प्रभावी ढंग से प्रकाश में लाया। अध्यक्षता डॉ. सुशील शर्मा ने की। शुभारंभ अतिथियों के गरिमामय स्वागत से हुआ। स्वागत उद्बोधन सतीश दवे ने किया। इसके पश्चात अतिथि परिचय अमित माथुर ने कराया। संचालन सतीश चोरडिया ने दक्षतापूर्वक किया। अंत में आभार प्रदर्शन प्रकाश देशमुख ने किया। कार्यक्रम का समापन स्वल्पाहार के साथ हुआ। इस अवसर पर अमिताभ सुधांशु, शरद गेहलोत, प्रांजलि गेहलोत, योगिनी पिटले, रौनक शाक्य, शशिधर नागर,अमित पिठवे, मृदुल बाली आदि सम्मिलित थे। जानकारी अमित माथुर ने दी।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने किया सम्मान कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन। डिस्ट्रिक्ट हब एम्पावरमेंट ऑफ वुमन के अंतर्गत गत दिवस बाल दिवस के अवसर पर राजेश मेहरा संयुक्त संचालक एवं ब्रजेश त्रिपाठी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय में सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं, निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, वाद-विवाद के विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सम्मान कार्यक्रम में विशेष अतिथि अध्यक्ष ज़िला पंचायत कमला कुवर ने उपस्थित बालक बालिकाओं को बालदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पढ़ने लिखने से ही जीवन में नाम होता है एवं सकारात्मक बदलाव आ सकता है। अध्यक्षता कर रहीं जिला पंचायत सदस्य अजीता परमार ने विभिन्न विधाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त बालिकाओं को भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी ने सभी बालक-बालिकाओं से कहा गया कि टेक्नोलॉजी फ्रेंडली होना अच्छा है, आज सभी बच्चे अपनी पढ़ाई में एआई का इस्तेमाल करते हैं पर टेक्नोलॉजी के सकारात्मक पहलु को हमेशा देखें। आदित्य बिरला ट्रस्ट भोपाल के मनोविज्ञानिक डॉ. निखिल मिश्रा द्वारा बताया गया कि आज के समय में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी काम करने की आवश्यकता है। जीवन शैली ऐसी बन गई है की हर क्षेत्र में तनाव है। हर व्यक्ति तनाव से ग्रसित है, ऐसी में आवश्यकता है उसे मैनेज करने की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता द्वारा बालिका शिक्षा को महत्व देते हुए कहा कि जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा समाज शिक्षित होता है। शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रहीं हैं। बालक-बालिकाओं के लिए हमें चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा इसका प्रचार प्रसार करना चाहिए। वन स्टॉप सेंटर से प्रशासक, जिला मिशन समन्वयक वीणा बोरासी द्वारा वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली के बारे में सभी को अवगत करवाया। कार्यक्रम में शिक्षक गण, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं प्रतिभागी उपस्थित थे।

जागरूकता शिविर आयोजित किया

उज्जैन। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीसी गुप्ता के निर्देशन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्जैन के न्यायाधीश, सचिव मनोज कुमार भाटी के मार्गदर्शन में गत दिवस पी एलवी अंजना शुक्ला द्वारा पीएम श्री शासकीय उच्च कन्या विद्यालय में विधिक सेवा प्राधिकरण के सेवा सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें एडीजे एनडीपीएस न्यायाधीश पवन पटेल ने विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसलिंग की गई। उन्होंने कहा कि 10 वीं कक्षा लक्ष्य निर्धारण एवं भविष्य निर्माण का ट्रेनिंग प्वाइंट है। अनुशासन और सतत प्रयास उत्तम परिणाम का स्त्रोत हैं। इसके साथ ही पॉक्सो एक्ट, नशे की लत और मुक्ति के उपाय आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी भी दी गई।

धर्मेन्द्र के लिए पूजन — राघव आम आदमी पार्टी से जुड़े है तथा साल 2022 में उन्हें पंजाब से राज्य सभा के सांसद चुने गए थे

युवा सांसद राघव चड्ढा ने भगवान महाकाल से की अभिनेता धर्मेंद्र के स्वास्थ्य की कामना

नवभारत न्यूज

उज्जैन। राज्यसभा के सबसे युवा सदस्य सांसद राघव चड्ढा शनिवार को उज्जैन आए। इस दौरान वे महाकाल के दर्शन करने भी पहुंचे। उन्होंने पहले गर्भगृह के बाहर से भगवान महाकाल के दर्शन कर जल चढ़वाया। इसके बाद नंदीहॉल में बैठकर ध्यान लगाया। उन्होंने फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र के जल्द स्वस्थ्य होने के लिए भी भगवान महाकाल से प्रार्थना की। पुजारी यश गुरु ने उनका पूजन संपन्न कराया। उनसे जुड़े लोगों ने बताया परिणीति चौपड़ा से विवाह के बाद से उनका महाकाल दर्शन करने का कार्यक्रम तय था। चडढा भगवान महाकाल के भक्त हैं और पूर्व में भी वे उज्जैन आकर महाकाल के दर्शन-पूजन कर चुके हैं। राघव आम आदमी पार्टी से जुड़े है तथा साल 2022 में उन्हें पंजाब से राज्य सभा के सांसद चुने गए थे।

सिंधिया ट्रस्ट के गोपाल मंदिर में भी आरती का समय बदल गया

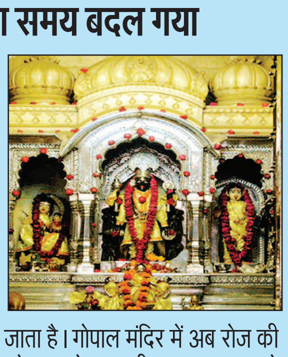

उज्जैन में सिंधिया ट्रस्ट के प्रसिद्ध द्वारकाधीश गोपाल मंदिर में भी ठंड के दिनों में भगवान की दिनचर्या में बदलाव किया गया है। वहीं शीत से बचाने के लिए भगवान को श्रृंगार में अब ऊनी वस्त्र पहनाए जा रहे हैं तो भोग में मौसम के अनुरूप गरम सामग्री ही परोसी जा रही है। गोपाल मंदिर के पुजारी पवन शर्मा ने बताया कि यहां उत्पन्ना एकादशी पर्व से भगवान की दिनचर्या परिवर्तित होती है। परंपरा अनुसार अब प्रतिदिन भगवान को ऊनी वस्त्र धारण कराए जाएंगे तो आरतियों के समय में भी परिवर्तन कर दिया गया है। भोग में गरम दूध आदि कई तरह के घी व गुड़ से निर्मित पकवान अर्पित किए जा रहे हैं। जैसे-जैसे ठंडी बढ़ेगी गर्माहट के लिए और भी जतन किए जाएंगे। कई मंदिरों में सिगड़ी का उपयोग भी किया जाता है। गोपाल मंदिर में अब रोज की आरती का समय कांकड़ आरती सुबह 5 .30 बजे, मंगला आरती सुबह 6 बजे, राजभोग आरती सुबह 10 .30 बजे और मध्यान्ह शयन दोपहर 12 बजे होगा। संध्या आरती शाम 6 .30 बजे और शयन आरती रात्रि 8 .15 बजे से 8 .30 बजे तक संपन्न की जाएगी। ठंड के अलावा इन आरतियों के समय में परिवर्तन हो जाता है।

एक माह तक शिप्रा स्नान व दान-पुण्य

सूर्य की वृश्चिक संक्रांति 16 नवंबर रविवार से शुरू हो रही है। इस दौरान एक माह तक श्रद्धालु धार्मिक नगरी उज्जैन में शिप्रा में स्नान कर दान-पुण्य कर सकेंगे। सूर्य अभी तुला राशि में है जो वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डब्बावाला ने बताया कि सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहते हैं। संक्रांति का महत्व पर्व जैसा है, इन दिनों में श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान कर दान पुण्य आदि करते हैं। इस अवधि में स्नान व दान का विशेष फल मिलता है। सूर्य 16 दिसंबर तक वृश्चिक राशि में रहेंगे।